DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

10 September, 2024

चिप्स अधिनियम 2022

संदर्भ: *हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी यात्रा से पहले, अमेरिकी विदेश विभाग CHIPS अधिनियम 2022 के तहत भारत के साथ साझेदारी करेगा।*

➢ **अवलोकन:**

- अमेरिकी विदेश विभाग वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आईटीएसआई फंड के तहत भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के साथ साझेदारी करेगा।
- पहले चरण में भारत के सेमीकंडक्टर परिदृश्य और नियामक आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा।

सेमीकंडक्टर उत्पादन और विज्ञान अधिनियम 2022 (CHIPS अधिनियम) का उद्देश्य घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण में निवेश को बढ़ावा देकर अमेरिकी प्रतिस्पर्धात्मकता, नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाना है।

- **निवेश:** अमेरिकी सेमीकंडक्टर विनिर्माण, नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए पांच वर्षों में 52.7 बिलियन डॉलर की मंजूरी दी गई।
- **तकनीकी प्रगति:** यह क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई, स्वच्छ ऊर्जा और नैनो प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देता है।
- **कार्यबल विकास:** इसका उद्देश्य क्षेत्रीय उच्च-तकनीकी केन्द्रों का निर्माण करना और STEM कार्यबल का विस्तार करना है।

➢ **महत्वपूर्ण विशेषताएं:**

- **सरकारी प्रयास:**
  - **चिप्स फॉर अमेरिका फंड:** इसके अंतर्गत सेमीकंडक्टर विनिर्माण और अनुसंधान के लिए वाणिज्य विभाग द्वारा प्रशासित 50 बिलियन डॉलर दिया गया है।
  - **रक्षा प्रौद्योगिकियां:** रक्षा-विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के लिए रक्षा विभाग को 2 बिलियन डॉलर आवंटित किए गए।
  - **आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा:** अंतर्राष्ट्रीय अर्धचालक आपूर्ति श्रृंखला समन्वय के लिए विदेश विभाग को 0.5 बिलियन डॉलर आवंटित किए गए।
  - **कार्यबल संवर्धन:** सेमीकंडक्टर कार्यबल बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन को 0.2 बिलियन डॉलर आवंटित किए गए।
- **अनुसंधान और नवाचार:**
- **फोकस:** सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करने के लिए राष्ट्रीय उन्नत पैकेजिंग विनिर्माण कार्यक्रम (एनएपीएमपी) सहित भावी अनुसंधान में 11 बिलियन डॉलर का निवेश किया गया है।

➢ **भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम):**

- **लॉन्च:** इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) द्वारा 2021 में 76,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ शुरू किया गया।
- **उद्देश्य:** भारत में एक स्थायी सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले तंत्र विकसित करना।

➢ **मुख्य उद्देश्य:**

- **दीर्घकालिक रणनीति:** अर्धचालक विनिर्माण और डिजाइन क्षमताओं का विकास करना।
- **सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला:** सुरक्षित माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स को अपनाने में सुविधा प्रदान करना तथा विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करना।
- **डिजाइन उद्योग का विकास:** स्टार्टअप्स के लिए उपकरणों और सेवाओं के साथ सेमीकंडक्टर डिजाइन उद्योग के विकास का समर्थन करना।
- **बौद्धिक संपदा:** आईपी उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना।
- **अनुसंधान एवं विकास:** अनुदान और वैश्विक सहयोग के माध्यम से अत्याधुनिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।

➢ **सेमीकंडक्टर विकास के उपाय -**

- **सरकारी प्रयास:**
  - भारत की सेमीकंडक्टर नीति में दीर्घकाल तक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, चिप्स अधिनियम के दृष्टिकोण के समान, कई सरकारी एजेंसियों को शामिल किया जाना चाहिए।
- **कुशल कार्यबल विकास:**
  - सक्षम सेमीकंडक्टर कार्यबल विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। भारत के चिप्स2स्टार्टअप (C2S) कार्यक्रम को विश्वविद्यालयों और निजी प्रशिक्षण केंद्रों के साथ सहयोग करना चाहिए, जिससे प्रमाणन और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही:**
  - भारत को अपेक्षाओं को प्रबंधित करने और विश्वास का निर्माण करने के लिए सेमीकंडक्टर कार्यक्रमों पर नियमित प्रगति रिपोर्ट जारी करके पारदर्शिता बढ़ाने की आवश्यकता है।
- **अनुसंधान और नवाचार:**
  - वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति में भविष्य की प्रौद्योगिकियों और उन्नत अनुसंधान, विशेष रूप से उन्नत विनिर्माण और पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारत-यूएई संबंध

संदर्भ: *हाल ही भारतीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस खालिद से मुलाकात की, इस दौरान भारत और यूएई ने चार ऊर्जा समझौतों पर हस्ताक्षर किए।*

➢ **अवलोकन:**

- दोनों नेताओं ने बहुआयामी भारत-यूएई संबंधों तथा नए एवं उभरते क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।
- चार समझौतों में एडीएनओसी और इंडियन ऑयल तथा आईएसपीआरएल के बीच दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति समझौते शामिल हैं।
- ईएनईसी और एनपीसीआईएल ने बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र के संचालन और रखरखाव के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

10 September, 2024

ऐतिहासिक संदर्भ

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच राजनयिक संबंध 1972 में स्थापित हुए। संयुक्त अरब अमीरात ने नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला और भारत ने 1973 में अबू धाबी में अपना दूतावास स्थापित किया।
- वस्तु विनिमय व्यापार सहित हजारों वर्षों के सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक आदान-प्रदान ने इस रिश्ते की नींव रखी।

संयुक्त अरब अमीरात

- पश्चिम एशिया में स्थित, ओमान और सऊदी अरब की सीमा से यह लगा हुआ है तथा फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य तक इसकी पहुंच है।
- इसमें सात अमीरात शामिल हैं: अबू धाबी, दुबई, शारजाह, रस अल खैमाह, उम्म अल-कुवैन, फुजैराह और अजमान।
- **अर्थव्यवस्था:**
  - **तेल और गैस:** तेल और प्राकृतिक गैस से मुख्य राजस्व प्राप्त करता है, विशेष रूप से अबू धाबी में। हाल ही में आर्थिक विविधीकरण के प्रयास किये गए है, विशेष रूप से दुबई में।
  - **बुनियादी ढांचा:** परिवहन और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश से जीवन स्तर और संतुष्टि में सुधार हुआ है।

सहयोग के स्तंभ

- **आर्थिक सहयोग**
- **व्यापारिक संबंध:**
  - **स्थिति:** संयुक्त अरब अमीरात भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और चौथा सबसे बड़ा निवेशक है।
  - **व्यापार आंकड़े (2022-23):** भारत और यूएई का व्यापार 1970 के दशक में प्रति वर्ष 180 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 84.84 बिलियन डॉलर हो गया है।
- **व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए):**
  - **उद्देश्य:** पांच वर्षों के भीतर वस्तुओं में द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तथा सेवाओं में 15 बिलियन डॉलर तक बढ़ाना। मुख्य क्षेत्रों में कपड़ा, हस्तशिल्प, वित्त, खाद्य और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं।
- **ऊर्जा सहयोग**
- **कच्चे तेल की आपूर्ति:**
  - **वर्तमान स्थिति:** यूएई भारत का चौथा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो 17.49 मिलियन मीट्रिक टन प्रदान करता है।
  - व्यापार मूल्य (2022): यूएई ने भारत को 14.8 बिलियन डॉलर मूल्य का कच्चा पेट्रोलियम निर्यात किया।
- **रणनीतिक साझेदारी:** व्यापारिक संबंध से रणनीतिक साझेदारी तक यह सम्बन्ध विकसित हुआ।
- **निवेश:** यूएई द्वारा भारत के ऊर्जा क्षेत्र में 300 बिलियन डॉलर से अधिक निवेश किए जाने की उम्मीद है। इस समझौतों में कर्नाटक में कच्चे तेल का रणनीतिक भंडारण शामिल है।

रक्षा संबंध:

- **समझौता ज्ञापन और जे.डी.सी.सी.:** रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर 2003 में हस्ताक्षर किए गए, जिसके परिणामस्वरूप संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जे.डी.सी.सी.) की स्थापना हुई।
- **क्षेत्रीय सुरक्षा:**
  - **समन्वय:** रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर इजरायल के साथ त्रिपक्षीय सहयोग की संभावना है।
- **संयुक्त सैन्य अभ्यास**
  - रेगिस्तानी चक्रवात 2024 (Desert Cyclone 2024)
  - "रेगिस्तानी बाज" ("Desert Eagle")
- **प्रवासी**
- **भारतीय समुदाय:**
  - **जनसंख्या:** संयुक्त अरब अमीरात में लगभग 3.3 मिलियन भारतीय हैं, जो कुल जनसंख्या का लगभग 30% है।
  - **धन प्रेषण:** भारतीय नागरिक प्रतिवर्ष 17.56 बिलियन डॉलर से अधिक धन प्रेषण के रूप में भेजते हैं।
  - **श्रम मुद्दे:** बड़ी संख्या में अकुशल श्रमिकों को अन्य श्रमिकों की तुलना में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और सुरक्षा की कमी का सामना करना पड़ता है।

वर्तमान गतिविधि -

- **सांस्कृतिक पहल:**
  - **बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर:** यह मध्य पूर्व में पहला हिंदू पत्थर मंदिर है, जो गहरे सांस्कृतिक और कूटनीतिक संबंधों का प्रतीक है।
- **आर्थिक समझौते:**
  - **ऊर्जा समझौते:** दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति समझौते और तेल उत्पादन में रियायतें दी गई।
  - **फूड पार्क:** यूएई निवेश के माध्यम से भारत में फूड पार्कों का विकास कर रहा है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) जलवायु रिपोर्ट 2024

***संदर्भ**: संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अपना चौथा वार्षिक वायु गुणवत्ता और जलवायु बुलेटिन जारी किया।*

अवलोकन:

- इस बुलेटिन में वैश्विक कण प्रदूषण पर वन्य आग के प्रभाव तथा फसलों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है।
- नीले आकाश दिवस पर स्वच्छ वायु के लिए जारी WMO बुलेटिन में वायु प्रदूषण के गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- प्रदूषक स्वच्छ जल की उपलब्धता, जैव विविधता और कार्बन भंडारण क्षमता को कम करके पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं।

WMO **वायु गुणवत्ता और जलवायु बुलेटिन का** उद्देश्य वायु गुणवत्ता और जलवायु परिवर्तन के बीच महत्वपूर्ण संबंध को उजागर करना है। यह वर्तमान रुझानों, प्रभावों और यह समझने में प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान करता है कि पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) और बायोएरोसोल पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों को कैसे प्रभावित करते हैं।

➢ वैश्विक वायु गुणवत्ता रुझान

- **पीएम 2.5 सांद्रता** :
  - 2.5 माइक्रोमीटर व्यास से छोटे कण फेफड़ों और रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है।
  - **यूरोप और चीन** : PM2.5 प्रदूषण में कमी दर्शाएं गए, जो वायु गुणवत्ता प्रबंधन में संभावित सुधार या प्रभावी विनियमन का संकेत देता है।
  - **उत्तरी अमेरिका और भारत** : औद्योगिक गतिविधियों और अन्य मानवजनित स्रोतों से बढ़े उत्सर्जन के कारण PM2.5 के स्तर में वृद्धि देखी गई।
- **वैश्विक पीएम हॉटस्पॉट** :
  - मध्य अफ्रीका, पाकिस्तान, भारत, चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे क्षेत्रों में PM2.5 की उच्च सांद्रता देखी गई है, जो अक्सर कृषि पद्धतियों और औद्योगिक उत्सर्जन से जुड़ी हुई है।

➢ पीएम 2.5 का प्रभाव

- **फसलों पर** :
  - पीएम 2.5 प्रकाश संश्लेषण के लिए आवश्यक सूर्य के प्रकाश को अवरुद्ध करके फसल की पैदावार को 15% तक कम कर देता है, जिससे पौधों की वृद्धि और कृषि उत्पादकता प्रभावित होती है।

➢ एरोबायोलॉजी

- **उन्नति** :
  - नई प्रौद्योगिकियों ने बायोएरोसोल, जो हवा में उड़ने वाले जैविक कण हैं, की वास्तविक समय पर निगरानी संभव कर दी है।
- **एरोबायोलॉजी के बारे में** :
  - वायु में उपस्थित जैविक कणों (बायोएरोसोल) तथा मानव, पशु और पौधों के स्वास्थ्य पर उनके प्रभावों का अध्ययन किया जाता है।
  - **बायोएरोसोल** : इसमें बैक्टीरिया, फंगल बीजाणु, पराग कण और वायरस शामिल हैं। ये कण जैव विविधता और पौधों के फूल पैटर्न में परिवर्तन को दर्शाते हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील हैं।
- **प्रौद्योगिकी प्रगति** :
  - **उच्च-रिज़ॉल्यूशन छवि विश्लेषण** : बेहतर समझ के लिए बायोएरोसोल की विस्तृत छवियां प्रदान करता है।
  - **होलोग्राफी** : हवा में मौजूद कणों की त्रि-आयामी छवियां कैप्चर करता है।
  - **मल्टी-बैंड स्कैटरोमेट्री** : यह मापता है कि कण किस प्रकार प्रकाश को बिखेरते हैं, ताकि उनके गुणों की पहचान की जा सके।
  - **प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोमेट्री** : यह जैवएरोसोल का पता उनके प्रतिदीप्ति गुणों के आधार पर लगाती है।
  - **डीएनए अनुक्रमण के लिए नैनो प्रौद्योगिकी** : बायोएरोसोल के विस्तृत आनुवंशिक विश्लेषण से उनकी संरचना और उत्पत्ति का पता लगाया जा सकता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ब्रिक्स

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 10 सितंबर, 2024 से शुरू होने वाली ब्रिक्स और ब्रिक्स प्लस उच्च-स्तरीय सुरक्षा अधिकारियों की तीन दिवसीय बैठक में भाग लेंगे।

ब्रिक्स के बारे में:

- ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।
- 2006 में, ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने "ब्रिक" समूह का गठन किया, जिसमें 2010 में दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हुआ, इस प्रकार इसका नाम बदलकर "ब्रिक्स" कर दिया गया।
- दक्षिण अफ्रीका ने 14 अप्रैल 2011 को चीन के सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
- वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं, जहाँ नेता विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हैं।
- पहला शिखर सम्मेलन 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था।
- समूह को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण विकासशील देशों को एक साथ लाने, उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के धनी देशों की राजनीतिक और आर्थिक शक्ति को चुनौती देने के लिए डिज़ाइन किया गया था।
- फोर्टालेजा (2014) में छठे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, नेताओं ने न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) की स्थापना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 2016 में NDB पूरी तरह से चालू हो गया और इसका मुख्यालय शंघाई में स्थापित किया गया।

जलथलचर अभियान

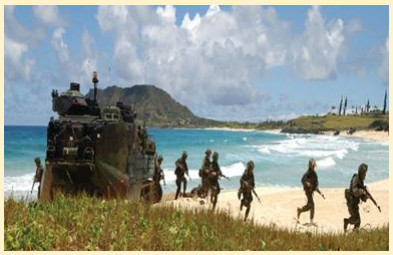

हाल ही में, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 9 सितंबर 2024 को आयोजित चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी की बैठक के दौरान जलथलचर अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत जारी किया।

जलथलचर अभियानों के बारे में:

- जलथलचर अभियान सैन्य अभियान हैं जिनमें नौसेना, थल और वायु सेना के संयोजन द्वारा शत्रु तट पर समन्वित हमला शामिल होता है।
- वे बहु-क्षेत्रीय अभियानों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन्हें शांति और युद्ध दोनों के दौरान संचालित किया जा सकता है।
- इन अभियानों के लिए स्पष्ट कमांड संबंधों और सभी भाग लेने वाले बलों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता होती है।
- भारतीय नौसेना की जलथलचर क्षमता इसे हिंद महासागर क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के अभियान चलाने की अनुमति देती है।
- उभयचर अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत सशस्त्र बलों के एकीकरण और संयुक्तता पर केंद्रित है।
- क्वीन ऐनी के युद्ध के दौरान पोर्ट रॉयल पर ब्रिटिश/औपनिवेशिक अमेरिकी उभयचर हमले को अकाडिया की विजय में एक महत्वपूर्ण क्षण माना जाता है।

हीलियम

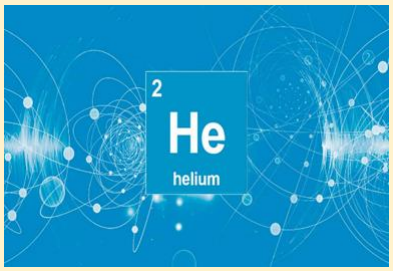

बोइंग के स्टारलाइनर पर सवार दो नासा अंतरिक्ष यात्री हीलियम रिसाव सहित दोषपूर्ण प्रणोदन प्रणाली के कारण अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर ही रहेंगे।

हीलियम के बारे में:

- हीलियम रासायनिक रूप से गैर-प्रतिक्रियाशील (निष्क्रिय) है और दहन नहीं करता है, जो इसे रॉकेट ईंधन प्रणालियों जैसे संवेदनशील वातावरण में उपयोग के लिए आदर्श बनाता है।
- हाइड्रोजन के बाद, हीलियम दूसरा सबसे हल्का तत्व है, जो दबाव प्रणालियों के समग्र वजन को कम करने में उपयोगी है।
- इसका क्वथनांक -268.9°C है, जो इसे सुपर-कोल्ड वातावरण में गैस बने रहने की अनुमति देता है, जो क्रायोजेनिक ईंधन का उपयोग करने वाले रॉकेट के लिए महत्वपूर्ण है।
- इस गैस का उपयोग रॉकेट सिस्टम में ईंधन टैंकों पर दबाव डालने के लिए किया जाता है ताकि ईंधन का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हो सके, ईंधन के जलने पर खाली जगहों को भरकर दबाव बनाए रखा जा सके और सिस्टम को ज़्यादा गरम होने से बचाया जा सके।
- अपने कम घनत्व के कारण, हीलियम छोटे अंतराल या सील के माध्यम से बच सकता है, जिससे अंतरिक्ष प्रणालियों में रिसाव एक आम समस्या बन जाती है।
- पृथ्वी के वायुमंडल में हीलियम की कमी के कारण हीलियम रिसाव का आसानी से पता लगाया जा सकता है, जो रॉकेट में दोषों को खोजने के लिए फायदेमंद है।
- हालांकि आर्गन और नाइट्रोजन जैसे विकल्पों का कभी-कभी उपयोग किया जाता है, लेकिन हीलियम को इसके अद्वितीय गुणों के कारण प्राथमिकता दी जाती है।

सुर्खियों में स्थल

जर्मनी

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आज (10 सितंबर, 2024) से जर्मनी की दो दिवसीय यात्रा शुरू की, जिसमें वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए जर्मन संघीय विदेश मंत्री सहित प्रमुख नेताओं से मिलेंगे।

जर्मनी (राजधानी: बर्लिन)

स्थान: मध्य यूरोप के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित जर्मनी, रूस के बाद यूरोप में दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: जर्मनी की सीमाएँ पोलैंड और चेक गणराज्य (पूर्व), फ्रांस, लक्जमबर्ग, बेल्जियम और नीदरलैंड (पश्चिम), डेनमार्क (उत्तर), ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड (दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- प्रमुख नदियों में राइन, एल्बे, डेन्यूब और वेसर शामिल हैं।
- जर्मनी का सबसे ऊँचा स्थान बवेरियन आल्प्स में स्थित ज़ुगस्पिट्ज़ है।
- जर्मनी में समशीतोष्ण मौसमी जलवायु होती है।
- जर्मनी में लिग्नाइट, पोटाश, नमक, यूरेनियम और प्राकृतिक गैस सहित कई खनिज संसाधन हैं।

सदस्यता: जर्मनी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और गठबंधनों का सदस्य है, जिनमें यूरोपीय संघ (ईयू), उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), संयुक्त राष्ट्र (यूएन), जी7, जी20 और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल चक्रवात गोनी से कौन सा शहर प्रभावित है? – **चेन्नई**
- नए कैबिनेट सचिव के रूप में किसे नियुक्त किया गया हैं? – **डॉ. टीवी सोमनाथन**
- विश्व पर्यावरण दिवस 2021 की मेजबानी किस देश ने की है? – **पाकिस्तान**
- वर्तमान वायुसेना प्रमुख कौन हैं? – **राकेश कुमार भदौरिया**
- भारत का सबसे लम्बा नदी पुल कौन सा है? – **ढोला सदिया ब्रिज (भूपेन हजारिका सेतु)**